इतिहास–परिषद

सत्र 2017–2018 :–

दयानन्द वैदिक कालेज में इतिहास विभाग का सक्रिय योगदान विभिन्न क्षेत्रों में रहा है। दिनांक 7 अक्टूबर 2017 को इतिहास परिषद का गठन हुआ। जिसमें पवन राजौरिया अध्यक्ष, अनुष्का तिवारी उपाध्यक्ष, महामंत्री सुमीत कुमार सक्सेना , सहमंत्री उमेश वर्मा, कोषाध्यक्ष ऋषभ दीक्षित के रूप में चयनित हुए।

दिनांक 10 अक्टूबर 2017 को इतिहास परिषद की ओर से तत्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एम0ए0 प्रथम व द्वितीय वर्ष एवं बी0ए0 प्रथम ,द्वितीय व तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निम्न विषयों पर छात्र–छात्राओं ने अपने विचार प्रकट किये–

"आतंकवाद, आतंकवाद का प्रश्न एक समस्या, नैतिकता का मूल्य, स्वास्थ से सम्बन्धित खान–पान की जानकारी" इस प्रतियोगिता में राज– बी0ए0प्रथम ने प्रथम ऋषभ दीक्षित– एम0ए0प्रथम वर्ष ने द्वितीय, पवन राजौरिया– एम0ए0 द्वितीय वर्ष व दयालू पांचाल – बी0ए0प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

दिनांक 17 नवम्बर 2017 को इतिहास विभाग के द्वारा विभागीय कार्यक्रम के तहत राजनीति शास्त्र विभाग दयानन्द वैदिक कालेज की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ0 जयश्री पुरवार जी के द्वारा " चम्पारन सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष 2017" विषय पर तथ्यपरक, विश्लेषणात्मक तथा ओजस्वी व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग दयानन्द वैदिक कालेज की पूर्व विभागाध्य डॉ0 शारदा अग्रवाल जी ने की। डॉ0 शारदा अग्रवाल जी ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में चम्पारन सत्याग्रह का भारत स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान के सार को छात्र–छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में कालेज के प्राचार्य महोदय व अन्य विभागों के प्राभारी, शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

दिनांक 25 नवम्बर 2017 को इतिहास परिषद की ओर से महाविद्यालय के पुस्तकालय सभागार में "जिला स्तरीय सिक्का–प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्रबन्धकारिणी कमेटी के अवैतनिक मंत्री डॉ0 देवेन्द्र कुमार, उपाध्यक्ष डॉ0 हरिमोहन पुरवार व प्राचार्य डॉ0 राजेश चन्द्र पाण्डेय जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध कारिणी कमेटी के उपाध्यक्ष एवं इन्टैक के उरई अध्याय के संयोजक डॉ0 हरिमोहन पुरवार जी ने "भारतीय विरासत में मुद्रा की प्रासंगिकता" विषय पर अपना ओजस्वी सम्बोधन सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी व छात्र–छात्राओं के मध्य दिया।

दिनांक 12 जनवरी 2018 को इतिहास परिषद की ओर से "स्वामी विवेकानन्द" जी की जयंती के अवसर पर सभी छात्र–छात्राओं के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय था – "स्वामी विवेकानन्द जी के विचारों की प्रासंगिकता" जिसमें एम0ए0 व बी0ए0 के छात्र–छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये।